जी-20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के 9वें शिखर सम्मेलन (पी20) में माननीय अध्यक्ष का उद्घाटन भाषण

भारत के माननीय प्रधानमंत्री महोदय,

IPU के अध्यक्ष श्री दुआरते पचेको जी

योर एक्सिलेनसीज,

G20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के नौवें शिखर सम्मेलन पी-20 में विश्व भर से पधारे G20 देशों तथा अन्य आमंत्रित देशों के सभी सम्मानित अतिथियों का मैं लोकतंत्र की जननी भारत में हार्दिक स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं।
यह अत्यंत गौरव का विषय है कि भारत की अध्यक्षता में हाल ही में संपन्न हुए जी-20 लीडर्स समिट में नई दिल्ली लीडर्स डेक्लरैशन को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।
यह भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रभावशाली नेतृत्व एवं वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह वैश्विक चुनौतियों पर जी 20 देशों की एकजुटता और प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।
एक्सिलेनसीज,

9वां पी-20 सम्मेलन लोकतांत्रिक मूल्यों, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा वैश्विक महत्व के विषयों एवं समकालीन चुनौतियों के समाधान के साझा संसदीय प्रयासों के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
लोकतंत्र हमारी सबसे अमूल्य विरासत है। लोकतंत्र हमारी जीवन शैली, हमारे आचार, विचार और व्यवहार में है। एक तरह से यह हमारी संस्कृति और संस्कार में आत्मसात है।
इसलिए जब हमारा देश आजाद हुआ, तब स्वाभाविक रूप से हमने संसदीय लोकतंत्र को अपनाया। वस्तुतः लोकतंत्र ही हमारे शासन तंत्र की पारदर्शिता और जवाबदेही का मूल आधार है।
एक्सिलेनसीज,

विशालता, विविधता और बहुलता भारत के लोकतंत्र की पहचान है। हमने 75 वर्षों के लोकतंत्र की गौरवशाली यात्रा में जनकेंद्रित शासन के माध्यम से आम जनता के जीवन में सामाजिक, आर्थिक बदलाव किए हैं।

“वसुधैव कुटुम्बकम” की अवधारणा दरअसल हमारी संस्कृति का बुनियादी सिद्धांत है। इस सम्मेलन का मुख्य विषय “वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर के लिए संसदें” हैं। हम विश्व को एक परिवार मानते हैं, जो हमारी सहभागिता, सहकारिता, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को दर्शाता है। पी20 में हम इसी भावना को और मजबूत करेंगे।

एक्सिलेनसीज,

पर्यावरण के विषय पर ठोस एवं निर्णायक वैश्विक कार्य योजना आज समय की मांग है। भारत के माननीय प्रधान मंत्री जी ने मिशन लाइफ का जो विजन विश्व के समक्ष रखा है, उस पर कल प्री-समिट में विस्तृत चर्चा हुई।

सभी प्रतिनिधियों का मानना था कि पर्यावरण किसी एक देश का विषय नहीं है बल्कि हम सबकी व्यक्तिगत और सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए हम अपनी जीवन शैली में ऐसे बदलाव करें जो हमारे पर्यावरण के संरक्षण के लिए उपयोगी हो। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि इस मिशन को जी-20 समूह के सभी देशों की संसदों का भरपूर समर्थन मिला। सबने अपनी-अपनी संसदों में मिशन लाइफ पर चर्चा करने तथा इसे एक जन आंदोलन का स्वरूप देने का संकल्प किया। इसके लिए मैं आप सबका आभार व्यक्त करता हूँ।

एक्सिलेनसीज,

इस संसदीय शिखर सम्मेलन में चर्चा के लिए मानव केंद्रित विषय लिए गए हैं। उन विषयों पर इस सम्मेलन में विस्तार से चर्चा होगी और उस चर्चा के बेहतर परिणाम निकलेंगे, ऐसी मेरी आशा है। सम्मेलन में सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति पर व ग्रीन फ्यूचर के लिए सतत ऊर्जा ट्रांजिशन पर विचार होगा। इसके साथ ही विमेन डेवलपमेंट से विमेन लेड डेवलपमेंट तथा पब्लिक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से लोगों के जीवन में आए परिवर्तन पर भी चर्चा होगी।

एक्सिलेनसीज,

सतत विकास लक्ष्य का उद्देश्य मानव के समग्र विकास के माध्यम से एक बेहतर विश्व का निर्माण करना है। भारत में एसडीजी लक्ष्यों को पाने के लिए नीतिगत योजनाएं बनाई गईं और इन पर संसद में व्यापक चर्चा भी हुई।

विकास में पीछे रह गए जिलों को आकांक्षी जिला मानकर विकसित जिलों के समकक्ष लाने के लिए नीतिगत निर्णय किए गए हैं। इससे सम्पूर्ण देश में समान विकास की अवधारणा साकार हो सकेगी।
जलवायु परिवर्तन के दृष्टिकोण से सतत ऊर्जा ट्रांजिशन आज के दौर की सबसे बड़ी जरूरत है। भारत स्वयं ग्रीन डेवलपमेंट एवं ग्रीन ट्रांजिशन को प्राथमिकता देते हुए सतत ऊर्जा ट्रांजिशन के क्षेत्र में अनेक प्रभावी पहल कर रहा है। इस उद्देश्य के लिए अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और अंतरराष्ट्रीय बायोफ्यूल गठबंधन जैसी भारतीय पहलों को बड़े पैमाने पर वैश्विक समर्थन मिला है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हम विमेन एम्पावरमेंट से विमेन लेड डेवलपमेंट की ओर बढ़ चुके हैं। मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि भारत की संसद के नए भवन में विशेष सत्र के पहले ही दिन, संविधान में संशोधन कर, केंद्र और राज्यों के निर्वाचित सदनों में महिलाओं के लिए एक तिहाई स्थान के आरक्षण का प्रावधान किया गया है जिससे निर्णयों में उनकी भागीदारी बढ़ेगी। मेरा विश्वास है कि विमेन लेड डेवलपमेंट 21वीं सदी के विश्व में बहुत बड़े बदलाव का वाहक बनेगा।
एक्सिलेनसीज,

डिजिटल टेक्नॉलजी ने समावेशी, पारदर्शी और जवाबदेह शासन को संभव बनाया है। सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हम समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने में सफल हुए हैं। डीबीटी, यूपीआई जैसे डिजिटल इंटरवेंशन ने देश के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त किया है।
एक्सिलेनसीज,

मेरा विश्वास है कि इन विषयों पर हमारे सामूहिक चर्चा संवाद से एक समावेशी, समतामूलक और न्यायसंगत वैश्विक समाज का संकल्प साकार होगा और भारत की अध्यक्षता में पी-20 सम्मेलन से वैश्विक संसदीय सहयोग का एक नया अध्याय आरंभ होगा।

पी20 वैश्विक गवर्नेंस का एक महत्वपूर्ण संसदीय आयाम है जो अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के लिए संसदों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करता है।

एक्सिलेनसीज,

जिन महत्वपूर्ण विषयों पर यहाँ चर्चा होगी, वह चर्चा हमारी संसदों के अंदर आगे भी चलती रहे, इन विषयों पर व्यापक मंथन के बाद नीतियों एवं योजनाओं तथा आवश्यकता पड़ने पर कानूनों का निर्माण हो।

संसदीय डिप्लोमेसी मानवता के बेहतर भविष्य का माध्यम बने। हम जी20 के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए पी20 के निरंतर समर्थन की आशा कर रहे हैं।

इसी उम्मीद के साथ मैं इस पी 20 सम्मेलन में आपका पुनः स्वागत करता हूँ।